5. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) The cosmological argument (Thomas Aquinas).

थॉमस एक्विनास की सृष्टिमूलक युक्ति ।

(ii) Cognitivist view of religious language.

धार्मिकभाषा का संज्ञानात्मक दृष्टिकोण ।

(iii) Philosophy of religion and its distinction from theology.

धर्मदर्शन और धर्मशास्त्र से इसका भेद ।

(iv) Dawkin's arguments on how science discredits religion.

विज्ञान धर्म पर कैसे अविश्वास करता है, इस पर डॉकिन के तर्क ।

14/5/19 (M)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8728 **IC**

Unique Paper Code : 12101601

Name of the Paper : Philosophy of Religion

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – Philosophy – CBCS**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. Evaluate the ontological arguments for the existence of God. Do they conclusively establish the existence of God?

ईश्वर के अस्तित्व के लिए सत्तामूलक तर्कों का मूल्यांकन करें। क्या वे निर्णायक रूप से ईश्वर के अस्तित्व को स्थापित करते हैं ?

OR / अथवा

Discuss the non-cognitivist views of religious language.

धार्मिक भाषा के असंज्ञानात्मक दृष्टिकोणो पर चर्चा करें।

2. What is meant by religious pluralism? Explain with reference to John Hick's view.

धार्मिक बहुलवाद से क्या अभिप्राय है ? जॉनहिक के विचार के संदर्भ में बताएं।

OR / अथवा

How Does Mc Closkey respond to solutions proposed by the theists to the problem of physical and moral evil? Explain.

मैक्लोस्की प्राकृतिक और नैतिक अशुभ की समस्या के लिए आस्तिकों द्वारा प्रस्तावित समाधानों का जवाब कैसे देता है ? बताएं।

3. Give a philosophical exposition of the concept of Bhakti.

भक्ति की अवधारणा की दार्शनिक व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elucidate the notion of 'Dharma' as given by PurvaMimāṃsā.

पूर्वमीमांसा के द्वारा दी गई 'धर्म' की धारणा को स्पष्ट करें।

4. Distinguish between Rāmānujā's and Śankarā's conception of the Absolute.

रामानुज और शंकर की परम सत्ता सम्बंधित अवधारणा के बीच अंतर बताएं।

OR / अथवा

Expound the theory of Karma as stated in Gitā. Explain how is it associated with the idea of rebirth?

गीता में बताए गए कर्म के सिद्धांत की व्याख्या करें। बताइए कि यह पुनर्जन्म के विचार से कैसे जुड़ा है ?